स्वर ज्ञान

C

विषय-सूची

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	वर्णमाला	3
2.	दो अक्षर वाले शब्द	4
3.	तीन अक्षर वाले शब्द	5
4.	चार अक्षर वाले शब्द	6
5.	'आ' की मात्रा (ा)	7
6.	'इ' की मात्रा (ि)	10
7.	'ई' की मात्रा (ी)	13
8.	'उ' की मात्रा (ु)	16
9.	'ऊ' की मात्रा (ू)	19
10.	'ऋ' की मात्रा (ृ)	22
11.	'ए' की मात्रा (े)	25
12.	'ऐ' की मात्रा (ै)	28
13.	'ओ' की मात्रा (ो)	31
14.	'औ' की मात्रा (ौ)	34
15.	अनुस्वार 'अं' (ं)	37
16.	'अः' (ः) विसर्ग	40
17.	अनुनासिक (ँ) का प्रयोग	41
18.	र-रेफ (र्) की मात्रा	44
19.	आधे अक्षर वाले शब्द	46
20.	बारहखड़ी	47

1 वर्णमाला

स्वर

अ आ इ ई उ ऊ ऋ

ए ऐ ओ औ अं अः

व्यंजन

क ख ग घ ङ

च छ ज झ ञ

ट ठ ड ढ ण

त थ द ध न

प फ ब भ म

य र ल व

श ष स ह क्ष त्र ज्ञ श्र

अतिरिक्त वर्ण

ड़ ढ़

2

दो अक्षर वाले शब्द

पाठ का उद्देश्य

- समझेंगे : दो अक्षरों के शब्द बना पाएंगे।
- जानेंगे : दो अक्षरों के शब्द कैसे बनते हैं।

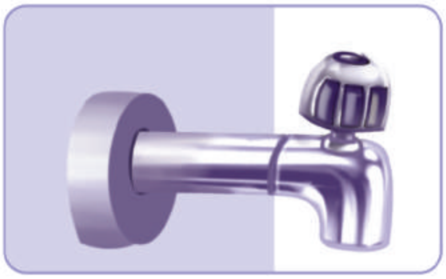

ट + ब = **टब** न + ल = **नल** म + ग = **मग**

पढ़कर समझिए–

जल	नल	टब	यश	झट	खत
नथ	वन	मठ	चख	कब	रस
वह	कह	चट	पट	छत	घर

लव उठ। जल भर । छत पर चल । लड़ मत । घर पर चल । बस पर चढ़ कर घर चल । रथ पर मत चढ़ ।

मेरा जवाब

आप मग का उपयोग किस काम के लिए करते हैं?

अभ्यास

जोड़कर लिखिए–

ह	+	ठ	=	....	प	+	थ	=	....
प	+	ल	=	....	च	+	ख	=	....
ब	+	म	=	....	स	+	च	=	....

अध्यापन संकेत:

पहले बच्चों से दो अक्षर वाले शब्द पढ़वाएँ। शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को शब्द पढ़ने का सही ढंग सिखाते हुए दो शब्दों वाली कविता पढ़ाएँ, जिसमें दो अक्षर वाले शब्द अधिक हो।

3

तीन अक्षर वाले शब्द

पाठ का उद्देश्य

- समझेंगे : तीन अक्षरों के शब्द बना पाएंगे।
- जानेंगे : तीन अक्षरों के शब्द कैसे बनते हैं। यह समझ पाएंगे।

म + ग + र = मगर

र + ब + ड़ = रबड़

क + ल + म = कलम

पढ़कर समझिए–

नहर	कमल	सड़क	कलम	लहर	मगर
बटन	अजय	चमक	बदन	महक	जगन
ठहर	कलश	रमन	पलट	डगर	धमक

शरद उधर चल। सड़क पर मत चल । रमन इधर–उधर मत टहल । बहन पर मत भड़क । शरद बतख पकड़।

मेरा जवाब

मगरमच्छ कहाँ रहता है?

अभ्यास

जोड़कर लिखिए–

ब + ट + न = ... ल + ग + न = ...

ब + द + न = ... फ + स + ल = ...

अध्यापन संकेत:

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को तीन अक्षर वाले शब्दों को सरलता से सिखाने हेतु कविता को माध्यम के रूप में चुनें।

4 चार अक्षर वाले शब्द

पाठ का उद्देश्य

- समझेंगे : चार अक्षरों के शब्द बना पाएगें।
- जानेंगे : चार अक्षरों के शब्द कैसे बनते हैं?

ब + र + त + न

बरतन

श + र + ब + त

शरबत

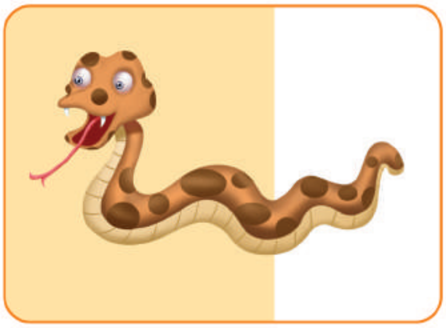

अ + ज + ग + र

अजगर

पढ़कर समझिए–

कसरत	सरकस	सरपट	झटपट	पचपन	अनशन
पतझड़	अदरक	अचकन	शलगम	झटपट	जमघट
मखमल	करवट	उपवन	टमटम	नफरत	बचपन

मदन झटपट उठ। कसरत कर। अचकन पहन कर चल। खट–खट मत कर।

अभ्यास

मेरा जवाब
शरबत का स्वाद कैसा होता है?

जोड़कर लिखिए–

ह + ल + च + ल = ...   अ + द + र + क = ...

प + ल + प + ल = ...   ट + म + ट + म = ...

अध्यापन संकेतः
अध्यापक ऊपर दिए गए चार वर्ण वाले शब्दों का कक्षा में छात्रों को विश्लेषण कर समझाएँ।

5 आ की मात्रा (आ – ा)

पाठ का उद्देश्य

- पहचान : आ की मात्रा के शब्दों की पहचान होगी।
- सीखेगें : अक्षरो को जोड़ कर शब्द बनाना सीखेगें।

ग + आ = ग + ा = गा   प + आ = प + ा = पा

म + आ = म + ा = मा   स + आ = स + ा = सा

क + ा + र = कार

न + ा + व = नाव

अ + ा + ग = आग

ह + ा + थ = हाथ

न + ा + क = नाक

म + ा + त + ा = माता

पढ़कर समझिए–

दाग	नाक	आम	माला	बाबा	काजल
जाल	बाल	लाल	नाना	चाचा	बालक
पान	हाथ	शान	छाया	तारा	सारस
माता	दाल	काला	मामा	चावल	राजन
कान	हाल	ताला	माया	गागर	सावन

अध्यापन संकेतः शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को कक्षा में 'आ' की मात्रा वाले शब्दों का अभ्यास करवाएँ।

पढ़ो और समझो–

मेरा जवाब

आप अपनी माँ की कौन-कौन सी बात मानते हैं? कक्षा में बताइए।

पाठशाला

एक लड़का था। उसका नाम राम था। वह पाठशाला जाता था। लाला उसका सखा था। वह अपना पाठ पढ़ता था। माता का कहना मानता था।

राजा

राजा उठ। आलस मत कर। बात मान। आज का अखबार पढ़। अपना पाठ याद कर। माता का आदर कर। माता का कहना मान। छाता उठाकर बाजार जा। दाल-चावल ला। गाजर ला। टमाटर ला। घर आकर नहा। नहाकर दाल-चावल खा। टमाटर खा। गाजर खा। आज का काम आज कर। पाठशाला का काम कर। राजा उठा। बाजार गया। सामान लाया। लालाराम बाजार साथ गया। लालाराम एक बाजा लाया। उसका बाजा लाल था। राजा एक माला लाया। राजा लालाराम पर नाराज था। वह लालाराम का बाजा चाहता था। बाबा समझा रहा था। राजा कल बाजार जाना एक नया बाजा लाना।

अभ्यास

(क) चित्र देखकर खाली स्थान में 'आ' की मात्रा (ा) लगाइए–

ज.......ल   अ.......ग   त.......ल.......   र.......ज.......

(ख) शब्द बनाइए–

अ + न + ा + ज = ...   ट + म + ा + ट + र = ...

अ + च + ा + र = ...   त + ल + व + ा + र = ...

(ग) प्रत्येक खाली बॉक्स के रिक्त स्थानों को सही अक्षर चुनकर भरें-

बा   ला   ना   खा   हा

ज		ज
त	ब	
च	र	
	द	ल
अ		र

(घ) सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे करिए–

1. राम .... लाया।   (गमला/कमला)
2. .... मत फाड़।   (कागज़/अनार)
3. राजा .... बजा।   (बाजा/बजा)

6 इ की मात्रा (इ – ि)

ग + इ = ग + ि = गि   प + इ = प + ि = पि

म + इ = म + ि = मि   स + इ = स + ि = सि

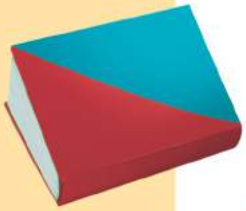

ि + क + त + ा + ब = किताब

त + ि + क + य + ा = तकिया

ड + ि + ल + य + ा = डलिया

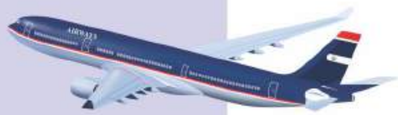

ि + व + म + ा + न = विमान

पढ़कर समझिए–

दिल	किला	पति	पिन	मिनट	हिरन
मिल	शनि	पिन	दिन	विफल	विलाप
सिला	छवि	हिला	मिला	मिठास	किसान
रवि	निब	रवि	कवि	निकट	निगल

अध्यापक संकेत: शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को 'इ' की मात्रा लगाने के तरीके कक्षा में बताएँ।

पढ़ो और समझो–

पिकनिक

शनिवार का दिन था। दिवाकर पिकनिक पर गया। तालाब का जल झिलमिल–झिलमिल चमक रहा था। चिड़िया आ दाना खा। दिवाकर चादर बिछा। टिकिया रख। चिड़िया का चित्र बना। कविता लिख।

मित्र

मेरा जवाब
आप कभी हवाई जहाज से कहीं घूमने गए हैं?

साइकिल पर मित्र आया। मित्र का नाम अनिल था। अनिल दिवाकर का पत्र लाया। पत्र विमल का था। पत्र पर दिवाकर का पता लिखा था। अनिल फल खा। छलिया मत बन। चिड़िया मत पकड़। चिड़िया का दाना ला। शिकार मत कर। सब पर दया दिखा। सितार बजा। किशमिश खिला। सिर पर मालिश कर। कविता पढ़। चिड़िया चहचहाई। किसान गिलास लाया। फिर वह चल दिया। किशन साइकिल लाया। साइकिल पर बाजार जा। अनिल जिद मत कर। विमल सितार लाया।

अभ्यास

(क) चित्र देखकर शब्दों में सही स्थान पर 'इ' की मात्रा (ि) लगाइए–

……गटार मा……चस ना……रयल प……हया

(ख) शब्द बनाइए–

ि + व + श + ा + ल = …… ि + ड + ि + ब + य + ा = ……

ि + म + ठ + ा + स = …… ि + क + श + ि + म + श = ……

(ग) चित्र देखकर खाली स्थान भरो–

……सान चि……या साइ……ल ……तार

(घ) 'इ' की मात्रा (ि) लगाकर शब्द पूरे कीजिए–

दिन	……सतार	……दल
……वचार	……मल	……मठाई
……च……ड़या	……व……नता	……कसान

7 ई की मात्रा (ई– ी)

क + ई = क + ी = की　　　　प + ई = प + ी = पी

म + ई = म + ी = मी　　　　स + ई = स + ी = सी

क + ी + ल = कील

स + ा + ड़ + ी = साड़ी

ह + ा + थ + ी = हाथी

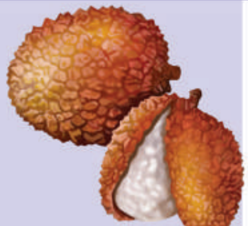

ल + ी + च + ी = लीची

पढ़कर समझिए–

खीर	नील	वीर	भीम	तीर	तितली
झील	कील	रील	भीड़	नीर	नतीजा
घड़ी	खड़ी	लड़ी	छड़ी	बड़ी	बिजली
चील	फली	गली	नदी	परी	पसीना
नीली	पीली	फीकी	दीदी	गीली	गलीचा

अध्यापन संकेत: छात्रों को बताएँ कि ई की मात्रा (ी) व्यंजन के बाद लगाई जाती है।

पढ़ो और समझो–

माली

माली की एक बगिया थी। बगिया हरी-भरी थी। बगिया का माली बलबीर था। बगिया कली से भरी थी। तितली रानी आती थी। वह कली-कली पर जाती थी। वह गाती व इठलाती थी। बलबीर की बहन छबीली थी। जब तितली आती वह ताली बजाती थी। वह मीठा गाती थी।

मेरा जवाब
दीपावली में आप क्या-क्या करते हो?
हाथी किस रंग का होता है।

दीपावली

दीपावली पर छबीली की मामी आई। वह मिठाई लाई। माता जी की आवाज आई। छबीली पानी का गिलास लाई। छबीली दीपावली मना रही थी। नीरज आतिशबाजी कर रहा था। मीना पीतल की थाली व दीया लायी। मीना की नानी भी आयी। छबीली की मामी साड़ी पहनकर आयी थी। मामी की साड़ी नयी थी। शीतल हवा चल रही थी। आज घर पर खीर बनी थी।

अभ्यास

(क) चित्र देखकर शब्दों में सही स्थान पर 'ई' की मात्रा (ी) लगाइए–

लकड़...... मकड़...... चाब...... लड़क......

(ख) शब्द बनाइए–

च+म+क+ी+ल+ी = ... छ+ब+ी+ल+ी = ...

ब+ी+म+ा+र+ी = ... म+ी+न+ा+क्ष+ी = ...

प+प+ी+त+ा = ... क+म+ी+ज = ...

म+छ+ल+ी = ... ह+ठ+ी+ल+ी = ...

(ग) सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए–

गाड़ी पर .... मत रख। (लकड़ी/लड़की)

कमला .... खा। (खीर/नीर)

(घ) सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–

1. नानी मीठी-मीठी .... लाई। (लीची/लड़ी)
2. दादी .... साड़ी पहनकर आई। (नीली/लकड़ी)
3. .... पानी पी। (शीतल/पीतल)
4. रानी .... खा। (मिठाई/लड़ाई)

8

उ की मात्रा (उ ु)

क + उ = क + ु = कु   प + उ = प + ु = पु

म + उ = म + ु = मु   स + उ = स + ु = सु

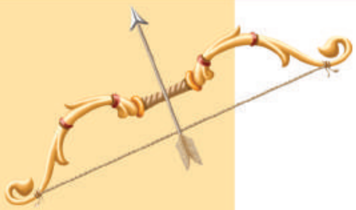

ध + न + ु + ष = धनुष

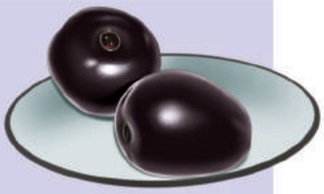

ज + ा + म + ु + न = जामुन

ग + ु + ि + ड़ + य + ा = गुड़िया

ग + ु + ल + ा + ब = गुलाब

पढ़कर समझिए–

धुन	गुड़	चुप	दुम	गुलाब	बटुआ
मुड़	खुश	शुभ	धुल	दुकान	पुकार
छुप	सुई	सुन	कुल	साबुन	कुटिया
रुई	चुन	मुख	खुर	सुनील	कछुआ

अध्यापन संकेतः उ की मात्रा (ु) व्यंजन के नीचे लगाई जाती है। र पर जब उ की मात्रा लगाई जाती है तो वह 'रु' बन जाता है।

पढ़ो और समझो–

राहुल

राहुल सुबह हुई, अब उठ। दातुन कर, साबुन मलकर नहा। धुला कुरता पहन। भुजिया बनाकर खा। बाहर जा, पुल पर मत जा। शुभ वचन कह। खुली हवा में जा। सुबह–सुबह भजन गा। चुपचाप बुलबुल का गाना सुन।

मेरा जवाब

गुलाब किस रंग का होता है?
आप रोज सुबह जगकर क्या करते हैं?

कुसुम

राहुल उठा, बाहर गया। तभी कुसुम आ गई। कुसुम खुरपा लाई। खुदाई की। गुलाब की कलम लगाई। राहुल लुटिया भर कर जल लाया। कुछ दिन बाद गुलाब खिला। कुसुम खुश हुई। राहुल खुश हुआ। कुसुम दुकान पर गई। कुसुम की नानी सुनार की दुकान पर गई। वह कुसुम के लिए झुमकी लाई। कुसुम साबुन लाई। वह साबुन मलकर नहायी। बुलबुल गाना सुना रही थी।

अभ्यास

(क) चित्र देखकर शब्दों में सही स्थान पर 'उ' की मात्रा (ु) लगाइए–

गलाब

बगला

कटिया

साबन

(ख) रंगीन अक्षरों पर 'उ' की मात्रा (ु) लगाकर लिखिए–

साबन	=	....	गलाब	=	....
साध	=	....	तलसी	=	....
सराही	=	....	मकट	=	....

(ग) सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए–

.... मधुर गीत गा। (बुलबुल/कौआ)

बेटा .... मलकर नहा। (साबुन/मिट्टी)

(घ) चित्र पहचानकर सही शब्दों से मिलाइए–

चुहिया

कुटिया

धनुष

पुरुष

9 ऊ की मात्रा (ऊ- ू)

ब + ऊ = ब + ू = बू   द + ऊ = द + ू = दू
च + ऊ = च + ू = चू   स + ऊ = स + ू = सू

स + ू + र + ज = सूरज

भ + ा + ल + ू = भालू

ख + ज + ू + र = खजूर

क + ब + ू + त + र = कबूतर

पढ़कर समझिए–

धूम	दूध	सूत	खूब	घूम	सूरज
झूला	पूजा	कूड़ा	बूढ़ा	झूठा	खुशबू
सूखा	भूखा	सूती	चूहा	काजू	मूरत
जूता	भूला	चूजा	सूझा	भूसा	चूरन

अध्यापन संकेत: ऊ की मात्रा (ू) व्यंजन के नीचे लगाई जाती है। र पर जब ऊ की मात्रा लगाई जाती है, तो वह 'रू' बन जाता है।

पढ़ो और समझो–

झूला

सावन का महीना था। रिमझिम–रिमझिम पानी बरस चुका था। डाल पर झूला पड़ गया था। पूजा झूला झूली। रूबी झूला झूली। रीतू झूला झूली। राजू भी झूला झूला। सूरज उठ भगवान की पूजा कर। दूध पी। बगिया तक जा। फूल चुनकर ला। झूला झूल। पानी पीना मत भूल।

मेरा जवाब

आपने कभी झूला झूला है? कक्षा में बताइए। बगुला कहाँ रहता है?

सूरज

सूरज इधर आ। खजूर व पूड़ी खा। पतलून पहन, बाजार जा। आलू, कचालू, तरबूज, खरबूज तथा मूली ला। सूरज बाबू जी का कमरा साफ कर। कूड़ा बाहर डाल। फूलदान साफ कर। सही जगह पर रख। कुछ भी मत भूल। सूरज मूली, आलू व शहतूत ला। नूतन इधर आ। धूप निकली। फूल खिल गए। रामू कबूतर उड़ा। पूनम फूल ला। अनूप दूर तक घूम कर आ।

अभ्यास

(क) चित्र देखकर शब्दों में सही स्थान पर 'ऊ' की मात्रा (ू) लगाइए–

बढ़ा

तराज

जता

कबतर

(ख) 'ऊ' की ठीक मात्रा लगाकर शुद्ध शब्द लिखिए–

भुल	=	भूल	चुरन	=	....
फुल	=	....	पुरब	=	....
धुप	=	....	कबुतर	=	....

(ग) सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए–

राजू .... जरूर पी। (दूध/मलाई)

रामू .... मत पकड़। (सूरज/कबूतर)

(घ) सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–

1. .... निकल आया। (सूरज/पूरब)
2. कमला .... की थाली सजा। (धूप/पूजा)
3. एक मदारी .... लाया। (आलू/भालू)
4. भगवान को .... चढ़ा। (फूल/झूल)

10 ऋ की मात्रा (ऋ ृ)

ह + ऋ = ह + ृ = हृ　　　घ + ऋ = घ + ृ = घृ

म + ऋ = म + ृ = मृ　　　न + ऋ = न + ृ = नृ

व + ृ + क्ष + = वृक्ष

क + ृ + ष + क = कृषक

क + ृ + ष् + ण = कृष्ण

ग + ृ + ह = गृह

पढ़कर समझिए–

नृप	वृत्त	ऋण	तृण	ऋषि	कृषि
घृत	मृत	मृग	मृदु	ऋतु	भृगु
कृपा	घृणा	हृदय	वृषभ	अमृत	कृत्रिम

अध्यापन संकेत: शिक्षक बालकों को समझाएँ कि (ऋ) की मात्रा व्यंजन के नीचे लगाई जाती है। साथ ही इसका अभ्यास भी करवाएँ।

पढ़ो और लिखो–

मेरा जवाब

भगवान कृष्ण के हाथ में क्या होता है?
वृक्ष की पत्तियों का रंग कैसा होता है?

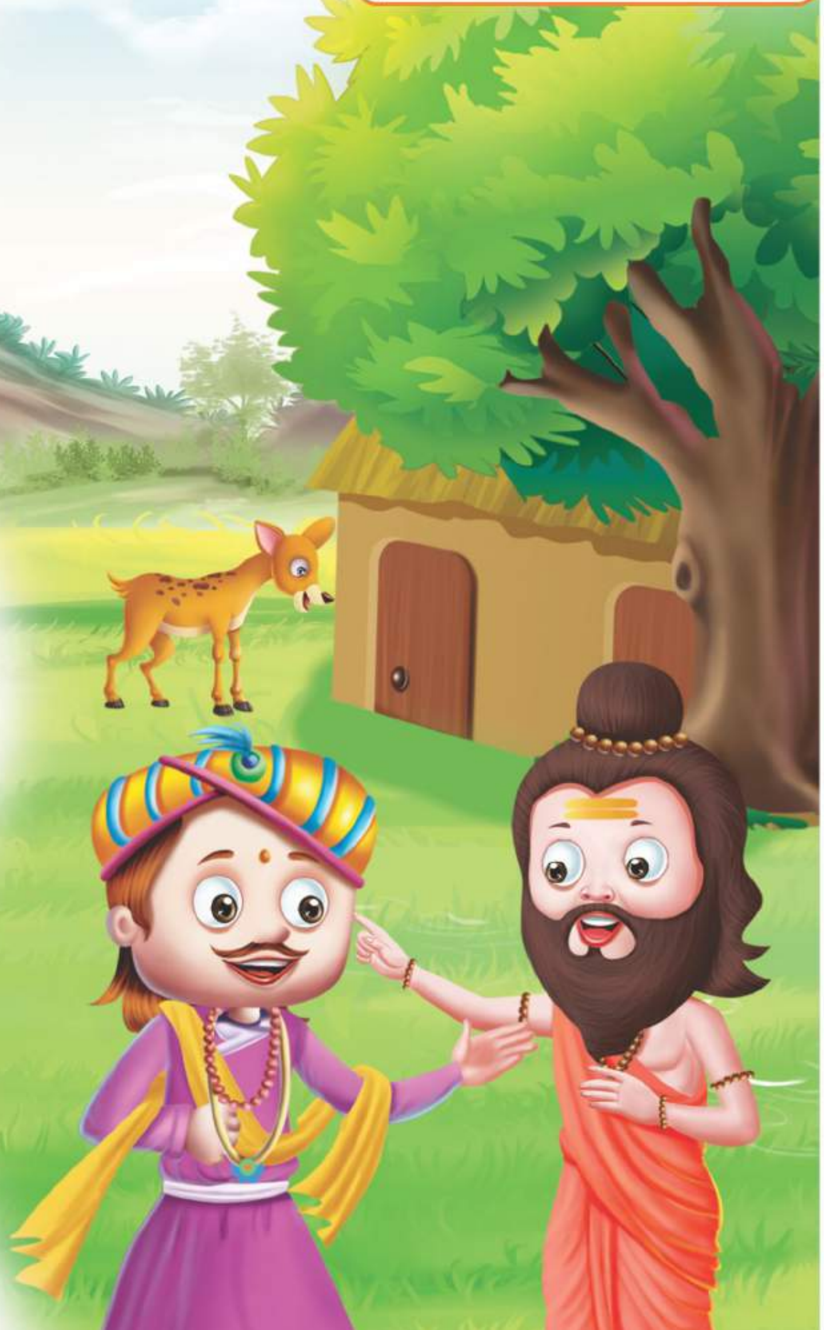

एक कृषक था। उसके गृह के पास एक वृक्ष था। एक दिन एक नृप कृषक के घर के बाहर आया। वह मृग का पीछा कर रहा था। मृग कृषक के पास गया। नृप मृग को मारना चाहता था। कृषक मृग को बचाना चाहता था। दोनों मृग के साथ ऋषि के आश्रम में गए। कृषक ने मृग ऋषि को दे दिया। ऋषि सब पर कृपा करते थे। ऋषि ने मृग पर कृपा की। ऋषि ने नृप को अमृत वचन कहे। ऋषि ने नृप को पशु पर दया करने की शिक्षा दी। ऋषि ने कहा – मातृ–पितृ का आदर कीजिए। किसी से घृणा मत कीजिए। पशुओं पर दया कीजिए। उनके प्रति कृतज्ञता रखिए। नृप ने ऋषि से कृपा प्राप्त की।

अभ्यास

(क) चित्र देखकर खाली स्थान भरो–

.........षक ....प ....ग ....पाण

(ख) सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–

घृत लाकर .... कर। (भजन/हवन)

गृहिणी खाना ....लाई। (बनाकर/सजाकर)

कृषक खेत में .... चला। (हल/नल)

(ग) रंगीन अक्षरों पर 'ऋ' की मात्रा (ृ) जोड़कर शब्द बनाइए–

प+थ+क = ... अ+म+त = ...

व+क्ष = ... व+ष+भ = ...

त+ती+य = ... क+त्रि+म = ...

(घ) चित्र देखकर शब्द भरिए–

.... दहाड़ रहा है।

कृषक ने .... बनाया।

11 ए की मात्रा (ए - े)

ह + ए = ह + े = हे　　घ + ए = घ + े = घे

म + ए = म + े = मे　　न + ए = न + े = ने

स + े + ब + = सेब

त + े + ल + = तेल

र + े + ल + = रेल

ल + ा + ल + ट + े + न = लालटेन

पढ़कर समझिए–

मेज	देख	शेर	बेर	रेल	सुरेश
खेल	बेल	पेड़	सेम	खेत	सहेली
रेत	मेघ	देश	जेब	मेल	महेश
चेला	खेला	बेटा	मेवा	ठेला	हथेली

अध्यापन संकेत: छात्रों को बताएँ कि ए की मात्रा (े) व्यंजन के ऊपर लगाई जाती है और कक्षा में इसका अभ्यास कराएँ।

पढ़ो और समझो–

मेला

नेहा, नरेश, सुरेश, महेश चचेरे भाई–बहन थे। वे एक साथ पढ़ते व खेलते थे। एक दिन वे मेला देखने गए। मेला नदी किनारे लगा था। मेला घर से कुछ ही दूर था। सबने मेला देखा। नेहा की सहेली भी मेला देखने आई। वह नेहा से मिली। सबने खूब मजे किए। सबने मिलकर जलेबी खाई। सब झूले पर झूले। फिर वे सब सरकस देखने गए। भालू जूते पहनकर आया। शेर ने दहाड़ लगाई। हाथी ने करतब दिखाया। भालू ऐनक लगाकर नाचा। सबने जादू के खेल देखे। सरकस देखकर सब बहुत खुश हुए। शाम तक वे घर वापस आ गए। सब खुश थे। कुछ लड़के रेल से घर वापस आए। घर आकर सबने केतली से चाय ली। फिर सब लेट गए।

मेरा जवाब

आप कभी रेलगाड़ी पर चढ़े हैं?
आप कभी मम्मी–पापा के साथ मेला घूमने गए हैं?

अभ्यास

(क) चित्र देखकर शब्दों में सही स्थान पर 'ए' की मात्रा (े) लगाइए–

जलबी   कतली   पड़   लालटन

(ख) चित्र पहचानकर उनके नाम लिखिए–

(ग) सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–

1. रमेश साफ़ .... पहन। (कपड़े/तेल)
2. दिन छिप गया, नेहा .... ला। (लालटेन/तारे)
3. सपेरे ने .... दिखाया। (खेल/रेल)

(घ) दिए गए खाली बॉक्स में एक सही वर्ण भरकर दो शब्द बनाइए–

	बे	
मि		ते
	न	

		स
		हे
ह	थे	

	वे	रा
पे		
रा		

12 ऐ की मात्रा (ए – ै)

ह + ऐ = ह + ै = है   घ + ऐ = घ + ै = घै

म + ऐ = म + ै = मै   न + ऐ = न + ै = नै

थ + ै + ल + ा = थैला

ब + ै + ल + = बैल

स + ै + ि + न + क = सैनिक

ब + ै + ट + र + ी = बैटरी

पढ़कर समझिए–

सैर	रैन	नैन	तैर	बैठक	फैलाव
कैद	मैल	लैस	कैसा	हैरान	कैलाश
बैल	पैसा	मैदा	पैदा	मैदान	तलैया
थैला	भैया	मैया	फैली	हैरत	रवैया

अध्यापन संकेत: छात्राओं को बताएँ ऐ की मात्रा (ै) व्यंजन के ऊपर लगाई जाती है और कक्षा में इसका अभ्यास कराएँ।

पढ़ो और समझो–

बैल

वैभव के पास एक बैलगाड़ी है। एक दिन वह बैलगाड़ी लेकर सैर करने गया। उसने एक तालाब देखा। तालाब का जल साफ था। वह तैरने लगा। बैल भी तैरने लगे। बैल खपरैल के नीचे आकर बैठ गए। बैल ने खपरैल पर एक डकैत देखा। बैल ने खपरैल गिरा दिया। डकैत नीचे गिर गया। वैभव ने डकैत को बहुत पीटा। डकैत भाग गया। खपरैल के पास एक गाय थी। गाय दूध देती थी। वैभव गाय की सेवा करता था। वैभव उसका दूध निकालता था। वैभव दूध पीकर रोज सुबह सैर करने जाता था। वह नदी किनारे पैदल घूमता था। नदी किनारे एक मैदान था। वैभव कैलाश के साथ सैर करने जाता था।

मेरा जवाब

बैल का उपयोग किस काम के लिए किया जाता है?
देश की रक्षा कौन करते हैं?

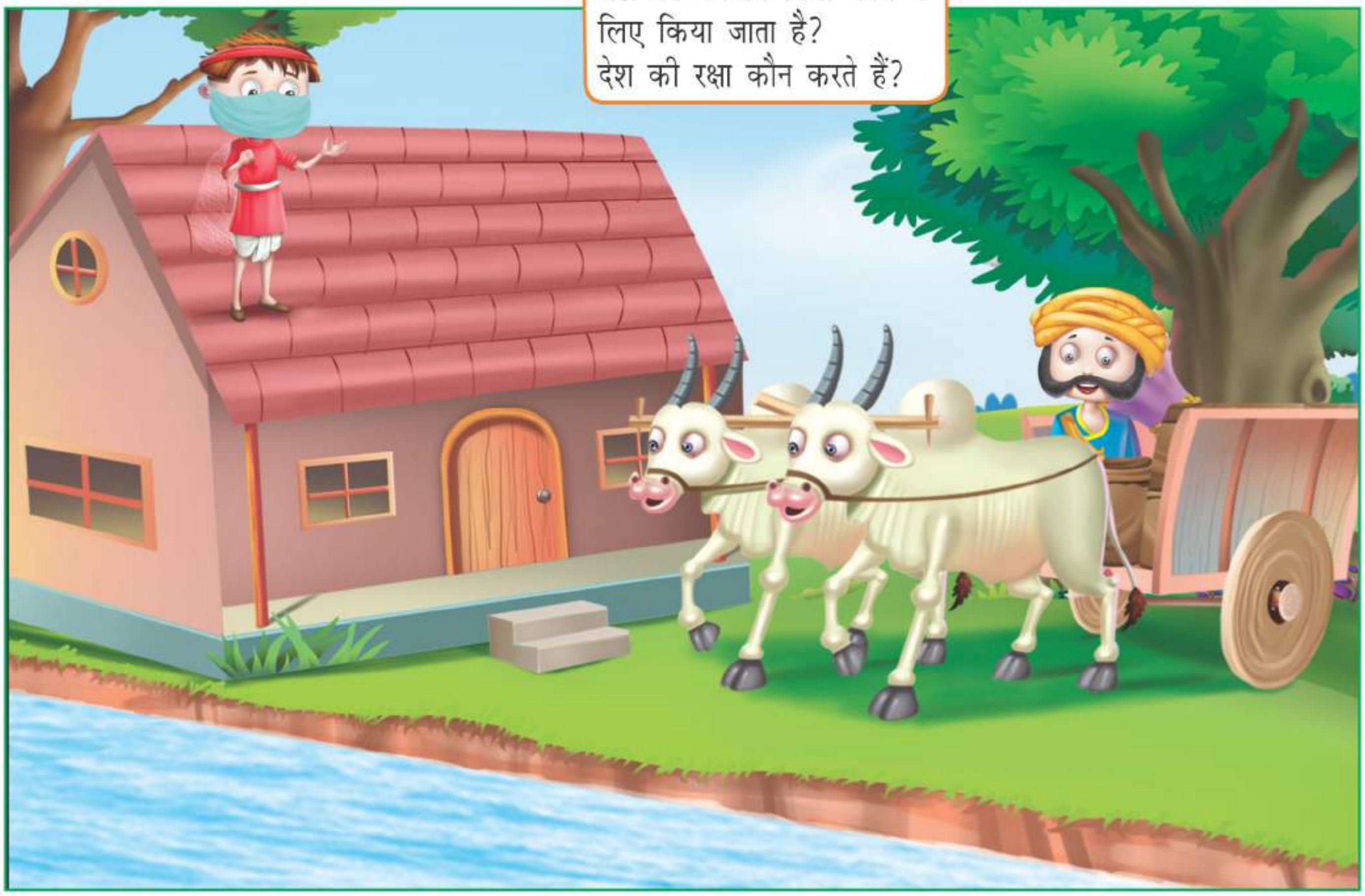

अभ्यास

(क) चित्र देखकर शब्दों में सही स्थान पर 'ऐ' की मात्रा (ै) लगाइए–

कमरा	पर	पसा	गस

(ख) रंगीन शब्दों पर 'ऐ' की मात्रा (ै) लगाकर लिखिए–

बठना	=	....	फला	=	....
तराक	=	....	हवान	=	....
लठत	=	....	बलगाड़ी	=	....

(ग) सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए–

कैलाश .... लेकर बाजार जा। (पैसा/बर्तन)

भैया मैला .... मत ले जा। (थैला/खटिया)

(घ) 'ऐ' की मात्रा (ै) वाले शब्द लिखिए–

थैला	....	....
....	....	....
....	....	....

13 ओ की मात्रा (ओ - ो)

च + ओ = च + ो = चो ग + ओ = ग + ो = गो
ट + ओ = ट + ो = टो र + ओ = र + ो = रो

म + ो + र = मोर

ल + ो + ट + ा = लोटा

क + ो + ट = कोट

त + ो + त + ा = तोता

पढ़कर समझिए–

चोर	मोर	डोर	नोट	कोट	चोट
करो	डरो	भोज	रोज	खोज	टोपी
टोली	भोली	डोरी	गोरी	घोड़ा	मोटा
छोटा	लोटा	सोटा	मोची	रोजी	धोबी

अध्यापन संकेतः छात्रों को 'ओ' की मात्रा (ो) वाले शब्दों का अधिक-से-अधिक अभ्यास कराएँ।

पढ़ो और समझो–

धोबी

एक धोबी था। उसका नाम सोहन था। वह बहुत गरीब था। वह घर से कपड़े लाता था। वह नदी पर जाकर कपड़े धोता था। एक दिन एक चोर आया। वह धोबी के कपड़े ले गया। धोबी गोपाल के घर गया। गोपाल चतुर था। गोपाल का भाई मोहन था। गोपाल और मोहन ने चोर का पता किया। वे चोर के घर गए। चोर घर पर न था। धोबी के कपड़े चोर के घर पर मिल गए। तभी चोर आ गया। वह उनको देखकर घबरा गया। चोर भागने लगा। मोहन ने चोर को पकड़ लिया। धोबी ने चोर को बहुत मारा। चोरी मत करो। किसी को धोखा मत दो। किसी को ठोकर मत मारो। किसी का बुरा मत सोचो।

मेरा जवाब

धोबी क्या काम करता है?
हमारे देश का राष्ट्रीय पक्षी कौन है?

अभ्यास

(क) चित्र देखकर शब्दों में सही स्थान पर 'ओ' की मात्रा (ो) लगाइए–

खरग.......श   क.......ट   ब.......तल   ट.......करी

(ख) रंगीन अक्षरों पर 'ओ' की मात्रा (ो) लगाकर शुद्ध शब्द लिखिए–

ध बी	=	....	खरग श	=	....
ज कर	=	....	छ टी	=	....
ह ली	=	....	त ता	=	....

(ग) सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए–

गोपी गोल .... पहन। (टोपी/ टॉफी)

मोहन .... मेज पर रख। (तेल/ रेल)

(घ) सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–

1. .... नाच रहा है। (जोकर / सो)
2. सोहन .... खेल रहा है। (टोली / होली)
3. धोबी कपड़े .... है। (धोता / रोता)
4. .... नाच रहा है। (मोर / भोर)

14 औ की मात्रा (औ – ौ)

च + औ = च + ौ = चौ   ग + औ = ग + ौ = गौ

ट + औ = ट + ौ = टौ   र + औ = र + ौ = रौ

अ + ौ + र + त = औरत

न + ौ + क + र = नौकर

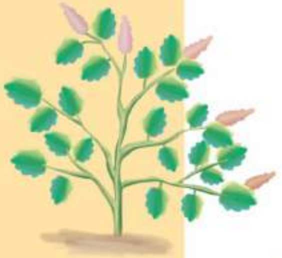

प + ौ + ध + ा = पौधा

त + ौ + ि + ल + य + ा = तौलिया

पढ़कर समझिए–

फौज	मौज	हौज	नौका	मौका	चौका
कौआ	हौवा	पौधा	सौदा	मौसा	लौकी
चौथा	बौना	मौन	कौन	चौक	शौक
फौजी	मौजी	दौड़	तौल	लौट	चौबे

अध्यापन संकेत: छात्रों को शब्दों का अधिक-से-अधिक उच्चारण कराते हुए 'ओ' व 'औ' की मात्रा में अंतर स्पष्ट करना सिखाएँ।

पढ़ो और समझो–

मौसा और मौसी

आज मौसी और मौसा आए। नौकर फौरन दौड़ा–दौड़ा चौराहे से समोसा तथा कचौड़ी लाया। मौसी और मौसा ने सभी को खिलौने दिए। सौरभ गौरी का भाई है। गौरव ने चौराहे पर पकौड़ी और कचौड़ी खाई। आज मौसम सुहावना है। गौरव का खिलौना देख गौरी खुश हुई। गौरी ने मौसा के साथ नौका–विहार किया। गौरी दौड़कर तौलिया तथा पानी लेकर आई। उनको चौकी पर बिछावन लगाकर बैठाया। चौधरी ने जौहरी को बुलाया। मौलवी सौगात लाया। नौकर बाज़ार से दौड़कर सौदा लाया। सौरभ का खिलौना देख गौरी खुश हुई।

मेरा जवाब

नौकर कौन–कौन सा काम करता है?
पौधों की पत्तियाँ किस रंग की होती हैं?

अभ्यास

(क) शब्दों में सही स्थान पर 'औ' की मात्रा (ौ) लगाइए–

प........धा　　न........कर　　ल........की　　न........का

(ख) जोड़कर लिखिए–

द + ौ + ड़ = ...　　न + ौ + क + ा = ...

श + ौ + क = ...　　ल + ौ + क + ी = ...

फ + ौ + ज = ...　　द + ौ + ल + त = ...

क + ौ + न = ...　　फ + ौ + र + न = ...

(ग) चित्रों का सही शब्द से मिलान कीजिए–

औरत

खिलौने

फौजी

हथौड़ी

कौआ

नौकर

15

अं की मात्रा (ं)

च + अं = च + ं = चं   ग + अं = ग + ं = गं

ट + अं = ट + ं = टं   र + अं = र + ं = रं

प + ं + ख = पंख

झ + ं + ड + ा = झंडा

अ + ं + ड + ा = अंडा

इ + ं + ज + न = इंजन

पढ़कर समझिए–

अंग	रंग	संग	दंग	तंग	ढंग
झंडा	डंडा	अंडा	ठंडा	हंस	कंस
गंगा	चंगा	नंगा	दंगा	डंक	रंक
कंधा	अंधा	धंधा	कंघा	जंघा	खंभा

अध्यापन संकेत: छात्रों को समझाएँ कि 'अं' की मात्रा को बिंदु या अनुस्वार कहते हैं। इसकी गिनती स्वरों में नहीं होती और न ही व्यंजनों में की जाती है। व्याकरण में इसे अयोगवाह कहते हैं।

पढ़ो और समझो–

यह शंकर भगवान का मंदिर है। मंदिर की चोटी पर केसरिया रंग का झंडा लहरा रहा है। मंदिर के बगीचे में मोर घूम रहा है। मोर बहुत सुंदर है। मंदिर गंगा किनारे स्थित है। गंगा का पानी बहुत ठंडा है। संजय, मंगल और संगीता मंदिर में गए। तीनों ने मंदिर का घंटा बजाया। शंख बजाया। मंदिर में पंडित जी ने आरती की। पंडित जी ने सबको अंगूर दिए। आरती के बाद तीनों बाहर आए। बाहर पेड़ पर लंगूर और बंदर बैठे थे। संजय और मंगल ने बंदरों को अंगूर दिए। अंगूर लेकर बंदर पेड़ पर चढ़ गए।

अभ्यास

(क) चित्र देखकर खाली स्थान भरिए–

........स ....खा ....दर प........ग

(ख) सही जगह पर 'अं' की मात्रा (ं) लगाकर शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

रग – .... भिडी – .... बदूक – ....

सीग – .... जगल – .... सतान – ....

पख – .... सुगध – .... सदेश – ....

(ग) सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए–

जंगल में बंदर .... खा रहा है। (अंगूर/हवा)

संजय .... चला रहा है। (बंदूक/लंगूर)

(घ) सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–

1. मोर बहुत .... है। (सुंदर/अंगूर)
2. पंडित जी ने .... बजाया। (शंख/पंख)
3. पेड़ पर .... बैठा था। (लंगूर/अंगूर)

16 'अः' की मात्रा (:)

न + म + : = नमः

द + ु + : + ख = दुःख

छ + : = छः

पढ़कर समझिए–

सुबह छः बजे उठो। अंतः करण शुद्ध करो। दुःसाहस मत करो। छः तक गिनो। शनैः शनैः आगे बढ़ो। दुःख से मत घबराओ।

अध्यापन संकेतः
शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को अः की मात्रा वाले शब्दों का अभ्यास कराएँ तथा यह भी बताएँ कि इसे विसर्ग कहा जाता है।

मेरा जवाब
क्या आप रोज सुबह उठकर बड़ों को नमन करते हैं?

अभ्यास

(क) शब्द जोड़कर लिखो–

प+ ु+न+: = ... ि+ छ + : = ...

द+ ु+:+ख+ी = ... श+न+ ै + : = ...

(ख) सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे करो–

1. सब बड़ों को .... करो। (मूलतः/नमः)
2. .... लोगों की मदद करो।(निःसहाय/मूलतः)
3. .... तक गिनो।(छः/फलतः)

17 अनुनासिक (ँ)

मेरा जवाब

आप चाँद को आकाश में किस समय देखते हैं?
आपकी आँखों का रंग कैसा है?

च + अँ = च + ँ = चँ   ग + अँ = ग + ँ = गँ

ट + अँ = ट + ँ = टँ   र + अँ = र + ँ = रँ

द + ा + ँ + त = दाँत

च + ा + ँ + द = चाँद

स + ा + ँ + प = साँप

अ + ा + ँ + ख = आँख

पढ़कर समझिए–

साँप	साँस	बाँस	फाँसी	खाँसी	साँझ
गाँव	छाँव	काँव	चाँद	माँद	फाँद
जहाँ	कहाँ	यहाँ	वहाँ	धुआँ	कुआँ
गूँगा	मुँह	गेहूँ	हाँफ	पूँछ	मूँछ

अध्यापन संकेत: छात्रों को 'अँ' की मात्रा (ँ) का प्रयोग कराते हुए कक्षा में शब्दों का अभ्यास कराएँ तथा बताएँ कि इसे अनुनासिक व चंद्रबिंदु भी कहते हैं।

पढ़ो और समझो–

चाँदपुर नाम का एक गाँव था। गाँव में एक लँगड़ा रहता था। वह बहुत हँसमुख था। वह सुंदर बाँसुरी बजाता था। गाँव में एक कुआँ था। लँगड़ा कुएँ की जगत पर बैठकर बाँसुरी बजाता था। एक दिन वह कुएँ की जगत पर बैठकर बाँसुरी बजा रहा था। अचानक एक साँप वहाँ आ पहुँचा। साँप हुँकार रहा था। साँप की हुँकार सुनकर बाँसुरी हाथ से छूट गई। लँगड़े ने साहस से काम लिया। उसने एक बाँस उठाया और साँप को भगा दिया। अँधेरा हो गया था। चाँद निकल आया था। उसने अपनी बाँसुरी उठाई और बजाते हुए घर वापस आ गया।

अभ्यास

(क) शब्द जोड़कर लिखिए–

क+ा + ँ + व	=	....	फ+ा+ ँ + स+ी	=	....
च + ा + ँ + द	=	....	अ+ा+ ँ+ ख	=	....
म + ा + ँ + द	=	....	ग + े + ह + ू + ँ	=	....

(ख) सही जगह पर 'अँ' की मात्रा (ँ) अनुनासिक लगाकर शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

कहा	=	....	कूआ	=	....
आख	=	....	खासी	=	....
मूछ	=	....	काव	=	....
माद	=	....	छाव	=	....

(ग) सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए–

.... मत जा। (वहाँ/वह)

शेर........................ मे रहता है। (माँद/मादाँ)

(घ) सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–

1. जरुरतमंद लोगों को .... दे दो। (गेहूँ /भाँप)
2. .... बंद रख। (मुँह/बात)
3. .... के समय घर से मत जा। (साँझ/और)

18 र–रेफ (र्) की मात्रा

मेरा जवाब
आप स्वेटर किस मौसम में पहनते हैं?
सूर्य किस दिशा में उगता है?

म + ु + ग + ा + र् = मुर्गा

स + ू + य + र् = सूर्य

स + प + र् = सर्प

द + ु + ग + ा + र् = दुर्गा

द + प + र् + ण = दर्पण

स + द + ी + र् = सर्दी

ग + म + ी + र् = गर्मी

म + ू + ि + त + र् = मूर्ति

क + म + र् = कर्म

ब + फ + र् = बर्फ

न + स + र् = नर्स

ब + त + र् + न = बर्तन

अध्यापन संकेत: शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को र – रेफ (र्) की मात्रा वाले शब्दों का अभ्यास कराएँ।

अभ्यास

(क) सही अक्षर पर रेफ (र्‍) लगाकर शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

दजर्न – .... वगाकार्र – .... र्पूण – ....

र्दशन – .... कायर्शाला – .... र्वषा – ....

निमर्ल – .... धमर्शाला – .... सपाकार्र – ....

(ख) चित्र पहचानकर उनके नाम लिखिए–

....

....

....

(ग) इन शब्दों के मिलते-जुलते शब्द लिखिए–

कर्म – धर्म आर्य – .... वर्गाकार – ....

गर्म – .... शार्क – .... वर्षा – ....

सर्द – .... धूर्त – .... दर्जन – ....

(घ) सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए–

.... हमेशा पूर्व दिशा से उगता है। (सूर्य/ चाँद)

पार्क में .... कुकड़ूँ-कूँ कर रहा है। (कबूतर/ मुर्गा)

19 आधे अक्षर वाले शब्द

मेरा जवाब
सबसे वफादार जानवर कौन है?
आप कभी बग्घी पर बैठे है?

म+क्+ख+ी

ब+च्+च+ा

क+ु+त्+त+ा

ग+न्+न+ा

प+त्+त+ा

ध्+व+ज

ब+न्+द+र

म+क्+ख+न

प+त्+थ+र

ब+ग्+घ+ी

प्+य+ा+ल+ा

च+क्+क+ा

अध्यापन संकेत: बच्चों को आधे अक्षर वाले शब्दों का कक्षा में अभ्यास कराएँ।

बारह-खड़ी

क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
च	चा	चि	ची	चु	चू	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छे	छै	छो	छौ	छं	छः
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झे	झै	झो	झौ	झं	झः
ट	टा	टि	टी	टु	टू	टे	टै	टो	टौ	टं	टः
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू	ठे	ठै	ठो	ठौ	ठं	ठः
ड	डा	डि	डी	डु	डू	डे	डै	डो	डौ	डं	डः
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	ढे	ढै	ढो	ढौ	ढं	ढः
ण	णा	णि	णी	णु	णू	णे	णै	णो	णौ	णं	णः
त	ता	ति	ती	तु	तू	ते	तै	तो	तौ	तं	तः
थ	था	थि	थी	थु	थू	थे	थै	थो	थौ	थं	थः
द	दा	दि	दी	दु	दू	दे	दै	दो	दौ	दं	दः
ध	धा	धि	धी	धु	धू	धे	धै	धो	धौ	धं	धः

न	ना	नि	नी	नु	नू	ने	नै	नो	नौ	नं	नः
प	पा	पि	पी	पु	पू	पे	पै	पो	पौ	पं	पः
फ	फा	फि	फी	फु	फू	फे	फै	फो	फौ	फं	फः
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बे	बै	बो	बौ	बं	बः
भ	भा	भि	भी	भु	भू	भे	भै	भो	भौ	भं	भः
म	मा	मि	मी	मु	मू	मे	मै	मो	मौ	मं	मः
य	या	यि	यी	यु	यू	ये	यै	यो	यौ	यं	यः
र	रा	रि	री	रु	रू	रे	रै	रो	रौ	रं	रः
ल	ला	लि	ली	लु	लू	ले	लै	लो	लौ	लं	लः
व	वा	वि	वी	वु	वू	वे	वै	वो	वौ	वं	वः
श	शा	शि	शी	शु	शू	शे	शै	शो	शौ	शं	शः
ष	षा	षि	षी	षु	षू	षे	षै	षो	षौ	षं	षः
स	सा	सि	सी	सु	सू	से	सै	सो	सौ	सं	सः
ह	हा	हि	ही	हु	हू	हे	है	हो	हौ	हं	हः
क्ष	क्षा	क्षि	क्षी	क्षु	क्षू	क्षे	क्षै	क्षो	क्षौ	क्षं	क्षः
त्र	त्रा	त्रि	त्री	त्रु	त्रू	त्रे	त्रै	त्रो	त्रौ	त्रं	त्रः
ज्ञ	ज्ञा	ज्ञि	ज्ञी	ज्ञु	ज्ञू	ज्ञे	ज्ञै	ज्ञो	ज्ञौ	ज्ञं	ज्ञः
श्र	श्रा	श्रि	श्री	श्रु	श्रू	श्रे	श्रै	श्रो	श्रौ	श्रं	श्रः